सेवानिवृत्त अधिकारी/कर्मचारियो एवं युनियन के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री एवं स्थानीय विधायक का जताया आभार

भिलाईनगर। सेवानिवृत्त अधिकारी/कर्मचारियों का वर्ष 2018 से मांग था कि उनके लंबित उपादान, अवकाश नगदीकरण, जी.पी.एफ. सी.पी.एफ आदि सभी राशि का भुगतान कर दिया जाए, जिसके लिए उनकी पात्रता भी थी। छत्तीगसढ़ शासन के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, भार साधक एवं नगरीय निकाय मंत्री अरूण साव, स्थानीय वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन के प्रयास से नगर निगम भिलाई को 15 करोड़ 21 लाख प्राप्त हुआ है। राशि प्राप्त होते ही अधिकारी/कर्मचारियों के खाते में 184 लोगो को उपादान, 80 कर्मचारियों का अवकाश नगदीकरण, 711 लोगो के जीपीएफ/सीपीएफ एवं परिवार कल्याण निधि की कटौती एवं अधिकारी/कर्मचारियो के एरियस राशि का भुगतान लंबित था। जिसकी राशि प्राप्त होते ही तत्काल भुगतान कर दिया गया। उपादान का मतलब जो अधिकारी/कर्मचारी 33 वर्ष की सेवा पूर्ण कर लेते है, उन्हे 16 माह 15 दिन के वेतन के बराबर राशि प्रदान की जाती है। यदि कम वर्ष सेवा रहती है तो उसके अनुपात में भुगतान किया जाता है। सेवानिवृत्त के समय 240 दिन का खाते में अवकाश रहने पर उसका अवकाश नगदीकरण दिया जाता है। बाकि कटौती की राशि कटौती के अनुसार समय अवधि में भुगतान करना आवश्यक रहता है। निगम के मद में उपरोक्त राशि नही होने के कारण भुगतान होने में समस्या आ रही थी। सेवानिवृत्त अधिकारी/कर्मचारियो का यही सहारा होता है। किसी को अपनी बेटी का विवाह करना था, किसी को ईलाज करवाना था, किसी को मकान बनवाना था। इस सभी के लिए अधिकारी/कर्मचारी बार-बार मांग कर रहे थे। वैशालीनगर विधायक उनकी मांगो का संज्ञान लेते हुए प्रश्नकाल के समय विधानसभा में इस मुद्दे को उठाया था। उनके विचारों से सहमत होते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं नगरीय निकाय मंत्री अरूण साव ने मांग के अनुसार राशि की स्वीकृति प्रदान की। सेवानिवृत्त अधिकारी/कर्मचारियो एवं युनियन के पदाधिकारीगणों ने भार साधक नगरीय निकाय मंत्री अरूण साव एवं वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन से मिलकर आभार व्यक्त किए। नगरीय निकाय मंत्री अरूण साव ने सभी प्रतिनिधियों को अस्वस्थ्य किया है कि हमारी सरकार का उददेश्य है सबका साथ, सबका विकास, सबका उत्थान। सभी अधिकारी/कर्मचारी शासन के महत्वपूर्ण अंग है। हम सबको मिलकर छत्तीसगढ़ के विकास के लिए काम करना है। आप सबकी जो भी जायज मांग होगी उसे यथा संभव पूर्ण किया जाएगा।